स्वदेशी अर्थशास्त्रम्

SWADESHI ARTHSHASTRAM

A FORTNIGHTLY NEWSLETTER 1st to 15th March, 2026

Economics & more...

Special Article

India-China Recent Cooperation: Strategic Implication for India

Dr. Reeta , Research Associate

China's Tibet policy is fundamentally shaped by its commitment to sovereignty, territorial integrity, and regime security. Since the incorporation of Tibet into the People's Republic of China in 1951 and the establishment of the Tibet Autonomous Region in 1965, Beijing has pursued a strategy combining political control, economic integration, demographic management, and military consolidation. Officially framed as a project of development and modernization, ...

Read More...

News at a glance...

Wheat output estimated at a record 120 MT
Read more...

Fitch raises India growth forecast
Read more...

Russia earns €6 bn from fossil fuels in 12 days of Iran conflict
Read more...

PM to launch Rs 18,680 crore infrastructure projects, flag off new train in Kolkata
Read more...

Retail inflation rises to 3.21% in February
Read more...

Rs 1 lakh crore fund to shield economy from external shocks: Nirmala Sitharaman
Read more...

Jan Dhan A/c average balance touches new high of Rs 5,100
Read more...

Jaishankar outlines India-centric global strategy, says 'India's rise will be determined by India'
Read more...

Research Article

Gamified Referral Programs: A Way for First-Time Entrepreneurs to Grow Their Businesses

- By Kamalika Krishmy, Baker and communication coach

Building trust, awareness, and customer loyalty is typically the hardest thing for first-time entrepreneurs to do. They don't have legacy networks, brand recognition, or big marketing resources like established corporations do. In this context, gamified referral programs—which combine the power of word-of-mouth .....

Read More...

More Updates

Cabinet clears Jal Jeevan 2.0 with bigger role for Panchayats
Read more...

50 Lakh tonne petroleum reserves for India
Read more...

India-UK trade pact to come into force by April: Piyush Goyal
Read more...

Panel set up to suggest reforms in SEZs policy
Read more...

सफलता की कहानी

श्री दीपक पाल - सेल्ट्रॉन मोटर्स : मुश्किलों को लॉन्ग माइलिज़ हासिल की।

रिया एंटरप्राइजेज, सेल्ट्रॉन मोटर्स एवं वोलो इंडस्ट्रीस यह तमाम ब्रांड जुड़ी हुई है उस शख्सियत से जिन्होंने 'मुश्किलों को लाँघ मंजिल' जैसी बातों को चरितार्थ किया है। श्री दीपांकर पाल जी सेंट्रल बंगाल के अत्यंत ही पिछड़े हुए जिले बर्धमान के एक छोटे से गांव में पले बड़े।

परिवार की हालत बहुत सशक्त ना होने के कारण 2004 में बी.एस.सी. की पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने स्वयं का एक स्टार्टअप खोला। जिसके अंतर्गत वह बैटरी का निर्माण करते थे। निर्माण कार्य के साथ-साथ उन्होंने एक्साइड बैटरी की वहां के लिए डिस्ट्रीब्यूटरशिप भी ले ली।धीरे-धीरे 2013 में बाजार में जब बैटरी की मांग कम होने लगी तो उन्होंने चीन से इलेक्ट्रिक ई-रिक्शा मंगा कर उसका व्यापार शुरू कर दिया।

परंतु जब 2014 में मेक इन इंडिया का जोर आया तब उन्होंने सोचा कि क्यों ना हम अपनी ही ई रिक्शा का निर्माण शुरू करें। उन्हें पता था कि चीन ई रिक्शा बनाने के लिए रॉ मटेरियल लोहा भारत से ही आयात करता है। अब समस्या ई रिक्शा के बाहरी ढांचे को लेकर थी। बैटरी बनाने का एक्सपीरियंस उनके पास पहले से ही मौजूद था। उन्होंने जो उनके समीप लोहे की अलमारियां बनाने वाले कारीगर थे, उन्हें बुलाकर ढांचा समझाया एवं छह महीने की मेहनत के साथ मिलकर ई रिक्शा का ढांचा तैयार किया। और कुछ समय पश्चात ही बाजार में रिया एंटरप्राइजेज द्वारा अपना ई-रिक्शा उतार दिया। उनका ई-रिक्शा चल निकला।

समस्या अभी भी खत्म नहीं हुई। बंगाल की इंडस्ट्रियल पॉलिसी में कार्य करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। इसलिए उन्होंने 2017 में फरीदाबाद दिल्ली में अपनी सेल्ट्रॉन मोटर्स नामक फैक्ट्री डाली। इसके अलावा फरीदाबाद में उनकी भोलो इंडस्ट्रीज नाम से भी एक और फैक्ट्री है।

आज उनकी ई रिक्शा नेपाल में भी एक्सपोर्ट होते हैं एवं उनके प्रोडक्शन का डेढ़ सौ करोड़ का सालाना टर्नओवर है। वह अनेक सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। भारतीय जनता नागरिक मोर्चा के वह प्रमुख है। वह सक्षम विद्यार्थियों की भी मदद करते हैं। इसके अलावा ब्लड डोनेशन कैंप, पेड़ लगाओ आंदोलन जैसे कार्य में भी सक्रिय रहते हैं।

SSS EVENT

स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय परिषद बैठक 7–8 मार्च को जयपुर में सम्पन्न हुई, जिसमें देशभर के 45 प्रान्तों से लगभग 395 कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ अधिकारियों तथा स्वदेशी जागरण मंच के केन्द्रीय पदाधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम से पूर्व स्थानीय इकाई द्वारा उद्यमी सम्मान समारोह और प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री, दो मंत्री और विधायक भी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विचार परिवारों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे विषयों पर विशेष चर्चा हुई। आगामी कार्ययोजना में स्वावलंबी भारत अभियान के विस्तार, स्वावलंबन केन्द्रों की स्थापना, जिला प्रशिक्षकों की नियुक्ति और विभिन्न क्षेत्रों—महिला, युवा, पर्यावरण, व्यापार एवं शोध—में नई योजनाओं पर सहमति बनी।

स्वदेशी विचार

"The boycott of foreign goods is not merely an economic weapon, it is a moral awakening of the people."

~ Bipin Chandra Pal

Our Social Media:

Editorial Board

Chief Editor : ***Prof. Raj K Mittal***

Editor : ***Prof. Sunita Bharatwal***

Co-Editor : ***Dr. Amit Kumar***

Section Editor : ***Ms. Urshita Bansal***

Technical & Design : ***Mr. Naman Kashyap***